शुद्धता

(5:1-7)

हाल ही में जारी सैंज़्स पर अमेरिका की रिपोर्ट में एक अच्छी बात थी तो एक बुरी भी। अच्छी बात यह है कि मीडिया द्वारा दिखाई जाने वाली सैंज़्स की तस्वीर अमेरिकी संस्कृति की वास्तविक तस्वीर नहीं है। अधिकांश वयस्क अमेरिकी तो ''बहुत ही रूढ़ीवादी'' हैं। स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क में समाज शास्त्र के प्रोफेसर, जॉन एच. गेग्नॉन ने लिखा है कि 85 प्रतिशत से अधिक विवाहित महिलाओं तथा 75 प्रतिशत विवाहित पुरुषों का कहना था कि वे अपने जीवन साथी के प्रति वफ़ादार हैं।[1] यह अच्छी खबर है।

बुरी खबर यह है कि 4 में से 1 पति तथा 6 में से 1 पत्नी अपने साथी के प्रति निष्ठावान नहीं थे। आधे अमेरिकी पुरुषों का अपने जीवन काल में छह से अधिक स्त्रियों से शारीरिक सज़्बन्ध रहा, जिनमें उनकी वर्तमान पत्नियां, पूर्व पत्नियां और गर्ल फ्रैंड तक शामिल थीं। पचास प्रतिशत स्त्रियों ने कहा कि उनके दो से अधिक व्यज़्तियों के साथ सज़्बन्ध थे। केवल 26 प्रतिशत वयस्क अमेरिकियों ने ही कहा कि जीवन में उनका केवल एक के साथ ही शारीरिक सज़्बन्ध है।[2]

शारीरिक शुद्धता के बारे में परमेश्वर के वचन पर ध्यान दें:

> इसलिए प्रिय बालकों की नाईं परमेश्वर के सदृश्य बनो। और प्रेम में चलो; जैसे मसीह ने भी तुम से प्रेम किया; और हमारे लिए अपने आप को सुखदायक सुगन्ध के लिए परमेश्वर के आगे भेंट करके बलिदान कर दिया और जैसा पवित्र लोगों के योग्य है,
>
> वैसा तुम में व्यभिचार, और किसी प्रकार के अशुद्ध काम, या लोभ की चर्चा तक न हो। और न निर्लज्जता, न मूढ़ता की बातचीत की, न ठट्ठे की, ज़्योंकि ये बातें सोहती नहीं, बरन धन्यवाद ही सुना जाए। ज़्योंकि तुम यह जानते हो, कि किसी व्यभिचारी, या अशुद्ध जन, या लोभी मनुष्य की, जो मूरत पूजने वाले के बराबर है, मसीह और परमेश्वर के राज्य में मीरास नहीं। कोई तुज़्हें व्यर्थ बातों से धोखा न दे; ज़्योंकि इन ही कामों के कारण परमेश्वर का क्रोध आज्ञा न माननेवालों पर भड़कता है। इसलिए तुम उन के सहभागी न हो (5:1-7)।

मैंने उज़री यूरोप में पाए जाने वाले नेवला प्रजाति के एक जन्तु के बारे में पढ़ा है जिसे अरमाइन कहा जाता है। गर्मियों में इसके शरीर पर भूरे रंग का रोआं उग जाता है,जबकि सर्दियों में इसका रोआं बर्फ जैसा सफेद हो जाता है। इस जन्तु को अपने सफेद रोएं पर बड़ा

गर्व है। इसे साफ़ रखने के लिए उसे जो कुछ भी करना पड़ता है, वह करता है। सत्य तो यह है कि जब शिकारियों को किसी अरमाइन की मांद का पता चलता है तो उन्हें मालूम होता है कि ज़्या करना है। वे उसकी मांद के आस पास काली चिपचिपी कोलतार पोत देते हैं, और फिर उस जन्तु का पीछा करके उसे उसकी मांद की ओर भगाने के लिए कुज़ों को छोड़ देते हैं। मांद के आस पास कोलतार को देखकर अरमाइन अपने आप को गंदा होने से बचाने के लिए उसमें घुसता नहीं है। कुज़ों और शिकारियों में घिरकर वह फंस जाता है और पकड़ा जाता है। सफेद रंग का अरमाइन शुद्धता को अपने प्राणों से अधिक महत्व देता है। मसीह का नाम पहनने वाले सब लोगों के लिए भी यही बात होनी चाहिए।

परमेश्वर की दृष्टि में शरीर की शुद्धता का इतना महत्व ज़्यों है? इसके जवाब पर विचार करें:

> अपने सार में ही, शुद्धता हमारे जीवनों में परमेश्वर के स्वभाव और उसकी उपस्थिति की झलक है। जितना हम शारीरिक शुद्धता में जीवन बिताएंगे, उतना ही हम पूरे संसार को इस बात की झलक दे सकते हैं कि परमेश्वर हम में कार्य करता, हमारी इच्छाओं, पसन्द तथा कार्य को हारमोन्स से कहीं अधिक के साथ दिखाता है।
>
> ... हमें शारीरिक शुद्धता बनाए रखने के लिए कहकर, परमेश्वर हमें अपने लोगों के लिए उसकी वफ़ादारी का नमूना देने के लिए कहता है (देखिए इफि. 5:29-32)। अपनी भलाई के लिए परमेश्वर की ठहराई हुई सीमाओं को लांघकर हम उस रास्ते को चुनते हैं, जो कभी-कभी थोड़े समय के लिए तो आनन्ददायक लगता है, परन्तु परमेश्वर में हमारे विश्वास को कम कर देता है और उससे कहता कि हम यह नहीं मानते कि वह हमारी भलाई के बारे में हम से अधिक जानता है।[3]

5:1-7 में पौलुस ने मसीही लोगों को शुद्धता के लिए परमेश्वर की योजना का अनुसरण करने के लिए कहा। फिर उसने उस योजना को मानने में नाकाम रहने के परिणाम बताए।[4]

विनती

पौलुस ने मसीही लोगों को ''परमेश्वर के सदृश्य '' (5:1) बनने के लिए कहा। परमेश्वर जैसे बनो। परमेश्वर जैसा काम करो। रंगमंच की दुनिया के लोग जिन्हें हम अभिनय करने वाले भी कहते हैं, मुझे अच्छे लगते हैं। उनमें से अधिकतर हास्य अभिनेता होते हैं। वे प्रसिद्ध लोगों के बोलने के ढंग तथा शैली का अध्ययन करते हैं और फिर उनकी नकल करने की कोशिश करते हैं। हमें वे ऐसे ही लगते हैं जिनकी वे नकल कर रहे थे।

पौलुस ने कहा, ''मसीही लोगो, यीशु की नकल करने पर गंभीर हो जाओ।'' ज़्यों, पौलुस?

''ज़्योंकि तुम परमेश्वर के अति प्रिय संतान हो,'' उसके लिखने का अर्थ यही था। ''तुम उसके हो। तुम्हें उसके परिवार का नाम मिला है, इसलिए अपने जीवन के ढंग से उसे आदर दो।'' पौलुस के शब्दों से हमें पता चलता है कि उसकी नकल कैसे की जा सकती है।

ढंग

5:2 में पौलुस ने विशुद्ध प्रेम का उदाहरण दिया, ''और प्रेम में चलो; जैसे मसीह ने भी तुम से प्रेम किया; और हमारे लिए अपने आप को सुखदायक सुगन्ध के लिए परमेश्वर के आगे भेंट करके बलिदान कर दिया।'' परमेश्वर की नकल करने का हमारे लिए नमूना स्वयं परमेश्वर के पुत्र का बलिदानपूर्वक प्रेम है। यीशु में स्वार्थ का जरा भी चिह्न नहीं है। न यीशु कभी असंयमी हुआ था। उसने लोगों का इस्तेमाल कभी अपने आनन्द के लिए नहीं किया। यीशु लोगों से प्रेम रखता था। उसके लिए उनका महत्व उसकी अपनी रुचियों से कहीं अधिक था। उसकी इच्छा लोगों की सेवा करना थी न कि उनका लाभ उठाकर उन्हें छोड़ देना।

लैंगिक अनैतिकता इसके बिल्कुल विपरीत है। किसी दूसरे व्यक्ति का इस्तेमाल खिलौने की तरह करने से बड़ा स्वार्थ और कोई नहीं हो सकता। वासना के कारण हम लोगों से प्रेम करने के बजाय उनका इस्तेमाल करते हैं।

विकृति

लैंगिक अनैतिकता प्रेम करने के पति और पत्नी के लिए बनाए गए परमेश्वर के ढंग के विरुद्ध है। आयत 3 में पौलुस आत्म बलिदान के सिद्ध उदाहरण से स्वार्थ के उदाहरण की ओर चला गया। उसने तीन बुरे शब्दों का इस्तेमाल किया। शारीरिक ''व्यभिचार'' (यू.: *porneia*) हर प्रकार के लैंगिक पाप, जिसमें अविवाहितों का शारीरिक सम्बन्ध, व्यभिचार, समलैंगिकता, द्विलैंगिकता और विवाह के बिना किसी भी प्रकार का शारीरिक सम्बन्ध शामिल है। ''अशुद्ध काम'' (यू.: *akatharsia*) अशुद्धता को कहा गया है। इसमें अश्लीलता का विचार मिलता है। यही शब्द शरीर के कब्र में सड़ने का वर्णन करने के लिए मत्ती 23:27 में मिलता है। ''लोभ'' (यू.: *pleonexia*) शब्द में दुराग्रह, स्वार्थ तथा दूसरों का शोषण करने का विचार मिलता है।

पौलुस ने सैद्धान्तिक पर अपने विचारों को हमारे कार्यों तक ही सीमित नहीं रखा। उसने इसके साथ यह भी जोड़ा कि ''न निर्लज्जता की, न मूढ़ता की बातचीत की, न ठट्ठे की, ज़्योंकि ये बातें सोहती नहीं, बरन धन्यवाद ही सुना जाए'' (5:4)। परमेश्वर यह नहीं चाहता कि हम सैद्धान्तिक को घटिया बना दें। सैद्धान्तिक पति और पत्नी के लिए उसकी ओर से आशीष है। ''विवाह सब में आदर की बात समझी जाए और बिछौना निष्कलंक रहे; ज़्योंकि परमेश्वर व्यभिचारियों, और परस्त्रीगामियों का न्याय करेगा'' (इब्रानियों 13:4)। हमें परमेश्वर द्वारा दी गईं चीज़ों को कभी मज़ाक नहीं बनाना चाहिए। टेलीविज़न तथा फिल्मों में सैद्धान्तिक के साथ यह मज़ाक किया जाता है। यह ऐसी बात का मज़ाक है, जिसे परमेश्वर बड़ी गंभीरता से लेता है।

दण्ड

हम पढ़ते हैं, ''ज़्योंकि तुम यह जानते हो, कि किसी व्यभिचारी, या अशुद्ध जन, या लोभी मनुष्य की, ... मसीह और परमेश्वर के राज्य में मीरास नहीं। कोई तुझ़्हें व्यर्थ बातों से धोखा न दे; ज़्योंकि इन्हीं कामों के कारण परमेश्वर का क्रोध आज्ञा न मानने वालों पर भड़कता है'' (5:5, 6)। इस प्रकार की अशुद्धता के प्रति परमेश्वर का ज़्या व्यवहार था? लैंगिक या शारीरिक पाप उसके क्रोध को पूरे ज़ोर से भड़काता है। यह परमेश्वर के बिल्कुल विरुद्ध है।

योजना

द राइट स्टफ नामक अंग्रेज़ी फिल्म में, यह देखने के लिए कि टैस्ट पायलट कितना ऊंचा उड़ सकते हैं और वे जहाज़ को लेकर कितनी दूरी तक जा सकते हैं, उन्हें अपनी सीमाओं को टैस्ट करना पड़ता है। उस लाइन को, जो दूसरों को लगता था कि वे उसे पार नहीं कर सकते, पार करने का साहस रखने वाले और इसे बताने के लिए जीवित रहने वाले पायलटों के लिए माना जाता था कि उनके पास ''राइट स्टफ'' है।

सैज़्स की बात करें तो बिना विनाश के पाप के निकट आते देख सकना ''राइट स्टफ़'' नहीं है। कुंवारा होने की सीमा ठहराना परमेश्वर की सोच के अनुसार नहीं है। विवाहित व्यज़्ति के ''अबोध बालक का प्रेम दिखाना'' का शज़्द नहीं मिलता। एक मसीही के लिए, मुद्दा यह नहीं है कि आप बिना प्रभावित हुए अशुद्धता को कितना देख और पढ़ सकते हैं। मुद्दा यह है कि परमेश्वर किस से प्रसन्न होता है।

हमें इस सिद्धांत को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है: *अशुद्धता के साथ प्रेम का खेल न खेलें।*

दूसरा सिद्धांत है: *विवाह को सज़्मान दें।* यदि आप विवाहित नहीं हैं तो विवाह होने तक शुद्ध रहें। यदि आप विवाहित हैं, तो अपने पति या पत्नी के प्रति वफादार रहें और केवल ''तकनीकी रूप से वफ़ादार'' होने का ढोंग न करें। अपने जीवन साथी से सचमुच प्रेम करें। उसे दिल में रखें। इस प्रकार का जीवन बिताएं,जिससे पता चले कि आप उसे कितना महत्वपूर्ण मानते हैं। जितना इसके लिए आप प्रयास करेंगे, उतना ही आपका वैवाहिक सज़्बन्ध मजबूत व सुखद होगा। आपका वैवाहिक सज़्बन्ध जितना मजबूत होगा उतना ही इसके टूटने का खतरा कम होगा।

सारांश

मुझे दो बातों की चिंता है। एक तो यह कि शुद्धता पर पौलुस की बातों को पढ़कर कोई कैसे मान सकता है कि आज उनकी प्रासंगिकता नहीं है? ज़्या हम उन मसीही लोगों को भूल रहे हैं जिनके बारे में हमें मालूम है कि इस पाप के कारण उनमें गिरावट आई? एक समय था जब उनमें से अधिकांश लोगों को लगता था, ''मैं ऐसा कभी नहीं करूंगा। मेरे वैवाहिक जीवन को कोई खतरा नहीं है। मेरा किसी दूसरे के साथ कभी ऐसा कोई सज़्बन्ध

नहीं होगा।'' लिखा है, ''विनाश से पहले गर्व, और ठोकर खाने से पहले घमण्ड होता है'' (नीतिवचन 16:18)। हमें चाहिए कि इस संसार में जिसमें हम रहते हैं, अपने रक्षक को कभी निराश न करें।

मेरी यह भी चिंता है कि कई लोगों का पतन हो चुका है और उन्हें लगता है कि अब परमेश्वर से सहायता मांगने में बहुत देर हो चुकी है। ऐसा नहीं है, परमेश्वर की कलीसिया ऐसे लोगों से नहीं बनी जिनके जीवन सिद्ध थे, बल्कि ऐसे लोगों से बनी है जिन्हें क्षमा किया गया है:

> ज़्या तुम नहीं जानते, कि अन्यायी लोग परमेश्वर के राज्य के वारिस नहीं होंगे? धोखा न खाओ, न वेश्यागामी, न मूर्तिपूजक, न परस्त्रीगामी, न लुच्चे, न पुरुषगामी। न चोर, न लोभी, न पियज़्कड़, न गाली देने वाले, न अन्धेर करने वाले परमेश्वर के राज्य के वारिस होंगे। *और तुम में से कितने ऐसे ही थे, परन्तु तुम प्रभु यीशु मसीह के नाम से और हमारे परमेश्वर के आत्मा से धोए गए, और पवित्र हुए और धर्मी ठहरे* (1 कुरिन्थियों 6:9-11)।

व्यभिचारी लोगों के लिए सहायता पाने की सबसे अच्छी जगह प्रभु यीशु की कलीसिया ही है। यदि आपने शारीरिक पाप किया है, तो पूर्व-धोखेबाजों, झूठों, और अन्य पापियों के साथ जिन्हें यीशु में क्षमा मिल गई है, कलीसिया में आपका स्वागत है। उन लोगों में जिन्हें अपने पापों को पीछे छोड़ने के लिए उसकी सामर्थ की आवश्यकता है, शामिल होने के लिए आपका स्वागत है।

आपका अतीत तो सुधारा नहीं जा सकता, लेकिन आपको क्षमा जरूर मिल सकती है। आप फिर से कुंवारे तो नहीं हो सकते, परन्तु विवाह के दिन तक शुद्ध रहकर परमेश्वर द्वारा आपको क्षमा देकर सज़्मान दिया जा सकता है। आप अपने जीवन साथी से की गई बेवफाई की वास्तविकता को मिटा तो नहीं सकते, परन्तु आपके बलिदानपूर्वक प्रेम से आपको परमेश्वर द्वारा क्षमा करके सज़्मान मिल सकता है। आप अतीत में बोले गए गंदे शज़्दों को वापस तो नहीं ला सकते, परन्तु परमेश्वर क्षमा देकर भविष्य में आपकी हर बात के लिए आपको आदर दे सकता है।

परमेश्वर क्षमा करेगा। वह आपको सामर्थ देगा। परमेश्वर की इच्छा है कि आप शुद्ध हों।

टिप्पणियां

[1]''सैज़्स स्टडी रिवील्स अमेरिका टू बी हॉटबैड ऑफ़ मोनोगैमी,'' *फोर्ट वर्थ स्टार टेलीग्राम* (7 अज़्तूबर 1994): 1ए. [2]वहीं। [3]*सैवन प्रॉमिसेज़ ऑफ़ ए प्रॉमिस कीपर,* सं. अल जनसेन (कोलोरैडो स्प्रिंग्स, कोलो.: फोकस ऑन द फैमिली पज़्लिशिंग, 1994), 92-93 में जैरी किर्क, ''गॉड'स कॉल टू सैज़्सुअल प्योरिटी।'' [4]आगे के भाग की रूपरेखा जॉन मैकार्थर, जू., *इफिसियंस,* द मैकार्थर न्यू टैस्टामेंट कमैन्ट्री (शिकागो, इलिनोइस: मूडी प्रैस, 1986), 193-203 से ली गई थी।